



बिहार गजट

असाधारण अंक

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

14 माघ 1941 (श0)

(सं0 पटना 76) पटना, सोमवार, 3 फरवरी 2020

बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद
विद्यापति मार्ग, पटना-800001

अधिसूचना

13 फरवरी 2019

सं0 1940—श्री रामजानकी मंदिर, ग्राम—सिसवा बहुअरवा कला, थाना—शिकारपुर, जिला—पश्चिम चम्पारण पर्षद के अन्तर्गत निबंधित एक सार्वजनिक धार्मिक न्यास है, जिसकी निबंधन संख्या—3385 है। इस न्यास की सम्पत्तियों की सुरक्षा तथा सुचारु प्रबंधन हेतु एक न्यास समिति का गठन पर्षदीय अधिसूचना ज्ञापांक—2727 दिनांक 23.12.1998 के द्वारा अगले आदेश तक के लिए किया गया था। उक्त न्यास समिति द्वारा अपने कार्यों का संतोषजनक ढंग से निष्पादन नहीं करने के कारण पर्षदीय आदेश पत्रांक—4670 दिनांक 06.01.2003 द्वारा बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम की धारा 29 (2) के अन्तर्गत समिति को भंग कर दिया गया तथा पर्षदीय पत्रांक—1522—36 दिनांक 11.08.2004 द्वारा अधिनियम की धारा 29 (1) के तहत 15 सदस्यीय समिति को मान्यता दी गयी। उक्त न्यास समिति के सभी सदस्यों ने त्याग पत्र देते हुए नयी समिति के गठन का अनुरोध किया जो पर्षद को दिनांक 25.05.2010 को प्राप्त हुआ और दिनांक 05.01.2012 को इसे स्वीकार किया गया। इसके बाद नयी न्यास समिति के गठन हेतु स्थानीय अंचलाधिकारी से पत्राचार किया गया, परन्तु नाम प्राप्त नहीं हुआ। तत्पश्चात् पर्षदीय पत्रांक—404 दिनांक 26.05.2017 द्वारा अनुमंडल पदाधिकारी, नरकटियागंज से न्यास समिति के गठन हेतु 11 व्यक्तियों की एक सूची उपलब्ध कराने का आग्रह किया गया। अनुमंडल पदाधिकारी ने अपने पत्रांक—245 दिनांक 05.03.2018 द्वारा 11 व्यक्तियों की एक सूची पर्षद को भेजा जिसे पर्षदीय पत्रांक—811 दिनांक 26.09.2018 द्वारा थानाध्यक्ष, शिकारपुर को चरित्र सत्यापन के लिए भेजा गया। थानाध्यक्ष, शिकारपुर द्वारा चरित्र सत्यापन प्रतिवेदन दिनांक 15.11.2018 को पर्षद को प्राप्त हुआ, जिसमें उल्लेख किया गया कि थाना अभिलेख में 11 व्यक्तियों के विरुद्ध कोई शिकायत अंकित नहीं है। तत्पश्चात् पर्षदीय पत्रांक—1133 दिनांक 28.11.2018 द्वारा उक्त सभी ग्यारह व्यक्तियों को प्रस्तावित न्यास समिति में योगदान देने के संबंध में सहमति प्रदान करने के लिए दिनांक 10.01.2019 को व्यक्तिगत रूप से पर्षद कार्यालय में उपस्थित होने का निर्देश दिया गया। इसी दौरान श्री रमेश पासवान, पूर्व सचिव द्वारा दिनांक 10.01.2019 को आपत्ति की गयी कि सूची में नामित अरविन्द कुशवाहा, रामायण पासवान के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज है तथा अर्जुन पासवान द्वारा शपथ-पत्र दिया गया है, कि वे न्यास समिति में नहीं रहना चाहते हैं। साथ ही यह भी आरोप लगाया कि सूची में नामित शम्भु साह, अलखनिरंजन श्रीवास्तव द्वारा मठ की भूमि पर अवैध रूप से कब्जा कर लिया गया है। श्री अरविन्द कुशवाहा पर थाना कांड सं0—240 में धारा 107/117 सी0 आर0 पी0 सी0 की प्रोसिडिंग चली थी जिसके संबंध में अरविन्द कुशवाहा ने बतलाया कि उक्त प्रोसिडिंग समाप्त हो गयी है एवं रामायण पासवान के खिलाफ भी थाना में भा0 द0 वि0 की धारा 341, 188, 489, 379 आदि दर्ज है। अर्जुन पासवान जो उक्त तिथि को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित थे, ने बतलाया कि

न्यास समिति में शामिल होकर मंदिर की भूमि का रक्षा करने को तैयार हैं। श्री शम्भु साह, अलखनिरंजन श्रीवास्तव और अवधेश प्रसाद श्रीवास्तव ने कहा कि वे मंदिर के किसी भूमि पर अवैध कब्जा नहीं किये हुए हैं।

उपरोक्त परिस्थिति में श्री शम्भु साह तथा अलखनिरंजन श्रीवास्तव को निर्देश दिया गया कि वे अपना फोटो तथा आधार कार्ड के साथ शपथ पत्र दाखिल करें कि उन्होंने मंदिर की भूमि पर अवैध कब्जा नहीं किया है। साथ ही जिनके विरुद्ध मुकदमा दर्ज होने का आरोप था, उन्हें भी शपथ-पत्र दाखिल करने का निर्देश दिया गया कि उनके खिलाफ था, जो मुकदमा हुआ था वह निर्णित हो गया।

दिनांक 31.01.2019 को पर्वदीय आदेश दिनांक 10.01.2019 के आलोक में श्री अरविन्द प्रसाद कुशवाहा, श्री रामायण प्रसाद कुशवाहा, अवधेश प्रसाद श्रीवास्तव, शम्भु साह, अलखनिरंजन प्रसाद एवं श्री हरेन्द्र महतो द्वारा शपथ-पत्र दाखिल कर कथन किया गया कि उनके द्वारा न तो मंदिर का जमीन कब्जा की गयी है और न ही उनके उपर कोई मुकदमा विचाराधीन है। श्री रामायण पासवान के संबंध में श्री रमेश पासवान, पूर्व सचिव द्वारा कहा गया कि थाना कांड संख्या-196/11 रामायण पासवान के विरुद्ध वाद विचाराधीन है।

उपरोक्त परिस्थिति में श्री रामायण पासवान को छोड़कर शेष दस सदस्यों तथा अनुमंडल पदाधिकारी नरकटियागंज को अध्यक्ष नामित करते हुए एक न्यास समिति के गठन का निर्णय लिया गया है।

उपर्युक्त परिस्थिति में न्यास सम्पत्तियों की सुरक्षा एवं सुव्यवस्था, सम्यक् संचालन एवं विकास हेतु एक योजना का निरूपण एवं उसके संचालन हेतु न्यास समिति का गठन आवश्यक प्रतीत होता है।

अतः उपर्युक्त परिस्थिति में मैं, अखिलेश कुमार जैन, प्रशासक, बिहार हिन्दू धार्मिक न्यास अधिनियम 1950 की धारा 81 (ख) सह पठित धारा 8 (क) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए इस न्यास के सम्यक विकास एवं सुसंचालन के लिए अधिनियम की धारा 32 के तहत निम्नलिखित योजना का निरूपण करता हूँ।

योजना

1. अधिनियम की धारा-32 के तहत निरूपित इस योजना का नाम **“श्री रामजानकी मंदिर, ग्राम-सिसवा बहुअरवा कला न्यास योजना होगा”** तथा इसके कार्यान्वयन एवं संचालन के लिए गठित न्यास समिति का नाम **“श्री रामजानकी मंदिर, ग्राम-सिसवा बहुअरवा कला न्यास समिति होगी”** जिसमें न्यास की समग्र चल-अचल सम्पत्ति के संधारण एवं संचालन का अधिकार निहित होगा।
2. इस न्यास समिति का मुख्य कर्तव्य न्यास की सम्पत्ति की सुरक्षा एवं सुसंचालन तथा मंदिर की परम्परा एवं आचारों के अनुकूल पूजा-पाठ एवं साधु-सेवा की समुचित व्यवस्था करना होगा।
3. न्यास की समस्त आय न्यास के नाम किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में खाता खोलकर जमा किया जायेगा तथा सचिव और कोषाध्यक्ष के संयुक्त हस्ताक्षर से इसका संचालन होगा।
4. न्यास की आय-व्यय में आर्थिक शुचिता एवं पारदर्शिता रखना न्यास समिति की असली कसौटी होगी।
5. न्यास समिति अधिनियम एवं उप-विधि में वर्णित सभी नियमों का पालन करते हुए प्रतिवर्ष न्यास के आय-व्यय की विवरणी, अंकेक्षण प्रतिवेदन, कार्य वृत्त आदि सम्यक रूप से पर्वद को प्रेषित करेगी।
6. अध्यक्ष की अनुमति से सचिव न्यास समिति की बैठक आहूत करेंगे। न्यास समिति की बैठक प्रत्येक तिमाही में एक बार अवश्य बुलाई जायेगी और बैठक की कार्यवृत्त पर्वद को प्रेषित की जायेगी।
7. न्यास समिति द्वारा कोई नयी योजना न्यास हित में आवश्यक समझा जायेगा तो इस हेतु निर्धारित विशेष बैठक में प्रस्ताव पारित कर पर्वद को अनुमोदन के लिए भेजेगी।
8. न्यास समिति न्यास की सम्पत्ति की सुरक्षा एवं व्यवस्था के साथ-साथ अतिक्रमित/हस्तांतरित भूमि यदि कोई है, को वापसी के लिए समुचित वैधानिक कार्रवाई करेगी।
9. इस योजना में परिवर्तन, परिबर्धन या संशोधन तथा आकस्मिक रिक्तियों की पूर्ति का अधिकार पर्वद में निहित होगा।
10. न्यास समिति के कोई सदस्य प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से न्यास से लाभ उठाते पाए जायेंगे या न्यास हित के प्रतिकूल कार्य करेंगे तो इस संबंध में उनसे स्पष्टीकरण प्राप्त कर समुचित कार्रवाई की जाएगी। न्यास के प्रतिकूल कार्य पाये जाने की स्थिति में सदस्य को समिति के कार्यकाल की अवधि के दौरान उन्हें सदस्यता से मुक्त किया जा सकता है।
11. न्यास समिति के सदस्य की यदि कोई आपराधिक पृष्ठभूमि होगी या वे आपराधिक काण्ड में आरोप-पात्रित होंगे तो उनकी अर्हता स्वतः समाप्त हो जायेगी।
12. न्यास समिति न्यास की अतिक्रमित/हस्तांतरित भूमि की वापसी के लिए समुचित वैधानिक कार्रवाई करेगी एवं पर्वद को समय-समय पर इससे सम्बद्ध तथ्यों की जानकारी देगी। पर्वद के आदेश के बिना समिति द्वारा कोई ऐसा कार्य नहीं किया जायेगा जिससे न्यास एवं पर्वद का हित प्रभावित होता हो।
13. न्यास समिति न्यास की जमीन/मकान का हस्तांतरण, लीज या अन्य किसी भी रूप में अन्यसंक्रमण पर्वद की अनुमति के बिना नहीं करेगी।

पर्वद द्वारा निरूपित योजना को मूर्तरूप देने के लिए निम्नलिखित सदस्यों की न्यास समिति गठित की जाती है :-

- | | |
|---|-----------|
| (1) अनुमंडल पदाधिकारी, नरकटियागंज- | अध्यक्ष |
| (2) श्री शम्भु साह पे0 स्व0 गणेश साह, ग्राम-बहुआरवा कला, नरकटियागंज- | उपाध्यक्ष |
| (3) श्री हरेन्द्र महतो पे0 स्व0 तिलक महतो, ग्राम-बहुआरवा कला, नरकटियागंज- | सचिव |

- (4) श्री अलखनिरंजन श्रीवास्तव पे0 स्व0 ललन श्रीवास्तव, ग्राम-बहुआरवा कला, नरकटियागंज- कोषाध्यक्ष
 (5) श्री अवधेश प्रसाद श्रीवास्तव पे0 स्व0 सूर्य प्रसाद श्रीवास्तव, ग्राम-बहुआरवा कला, नरकटियागंज- सदस्य
 (6) श्री राज कुमार यादव पे0 श्री रामायण यादव, ग्राम-बहुआरवा कला, नरकटियागंज- सदस्य
 (7) श्री अर्जुन पासवान पे0 स्व0 गौरीशंकर पासवान, ग्राम-बहुआरवा कला, नरकटियागंज- सदस्य
 (8) श्री अनुपम दूबे पे0 श्री विनोद दूबे, ग्राम-सिसवा, नरकटियागंज- सदस्य
 (9) श्री अरविन्द कुशवाहा पे0 श्री जनार्दन कुशवाहा, ग्राम-सिसवा, नरकटियागंज- सदस्य
 (10) श्री रामायण प्रसाद कुशवाहा पे0 श्री गोरख कुशवाहा, ग्राम-सिसवा, नरकटियागंज- सदस्य
 (11) श्री दिनानाथ यादव पे0 स्व0 श्री लोरिक यादव, ग्राम-सिसवा, नरकटियागंज- सदस्य
- उपरोक्त सभी जिला-पश्चिम चम्पारण।

इस न्यास समिति का कार्यकाल आदेश की तिथि से (05) पॉच वर्ष का होगा। एक वर्ष के बाद इसके कार्य की समीक्षा की जायेगी और संतोषप्रद पाये जाने पर कार्यकाल की निरन्तरता कायम रहेगी।

आदेश से,
 अखिलेश कुमार जैन,
 प्रशासक।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,
 बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।
 बिहार गजट (असाधारण) 76-571+10-डी0टी0पी0।
 Website: <http://egazette.bih.nic.in>